CBSE Worksheet 01

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

1. पक्षियों को मनुष्य का कौन-सा क्रियाकलाप पसंद नहीं है? (हम पंछी उन्मुक्त गगन के)
2. हम पंछी उन्मुक्त गगन के कविता में पक्षियों का खान -पान क्या है?
3. पक्षी मनुष्य को उसके किस कार्य में बाधा उत्पन्न न करने के लिए कह रहा है? (हम पंछी उन्मुक्त गगन के)
4. पिंजरे में पक्षियों को क्या-क्या कष्ट हैं? (हम पंछी उन्मुक्त गगन के)
5. पक्षी ऊँची उड़ान हेतु क्या-क्या न्योछावर करने को तैयार हैं?
6. पक्षी सोने की कटोरी की मैदा से कड़वी निबौरी को क्यों अच्छा बताता है?
7. पिंजरे में बंद पक्षी खुश क्यों नहीं हैं? (हम पंछी उन्मुक्त गगन के)
8. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़े और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें-**

   हम पंछी उन्मुक्त गगन के
   पिंजरबद्ध न गा पाएँगे,
   कनक-तीलियों से टकरा कर
   पुलकित पंख टूट जाएँगे।

   i. इस कविता का नाम तथा कवि का नाम लिखो।
   ii. इस काव्यांश में पक्षी अपनी क्या इच्छा प्रकट करते हैं?
   iii. पक्षी कहाँ रहकर गा नहीं पाएँगे?
   iv. कौन-सा शब्द 'गगन' का पर्यायवाची नहीं है-
      (क) आसमान
      (ख) नभ
      (ग) रवि
      (घ) व्योम
   v. पक्षी किस रूप में रहना चाहते हैं?
      (क) उन्मुक्त
      (ख) पिंजरबद्ध
      (ग) व्याकुल
      (घ) पुलकित
   vi. 'कनक' शब्द का अर्थ है-
      (क) सोना (ख) चाँदी
      (ग) मिट्टी (घ) ताँबा

CBSE Worksheet 01

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

Solution

1. पक्षियों को मनुष्य का वह क्रियाकलाप पसंद नहीं है, जो उनकी स्वतंत्रता और उड़ान में बाधा पहुंचाता है और उन्हें प्राकृतिक वातावरण से दूर करता है।

2. पक्षी नदियों तथा झरनों का बहता हुआ जल पीते है और वृक्ष पर लगे कड़वे - मीठे फल स्वाद से खाते है।

3. पक्षी मनुष्य को उसकी व्याकुलता से भरी उड़ान में बाधा न उत्पन्न करने के लिए कह रहा है।

4. पिंजरे में पक्षी फुदक नहीं सकते, अपने पंख नहीं फैला सकते, अपनी इच्छा से उड़ नहीं सकते। पिंजरे में उन्हें नदियों और झरनों का बहता हुआ जल पीने को नहीं मिलता है। वृक्षों पर लगे कड़वे-मीठे ताजे फल खाने को नहीं मिलते हैं। पिंजरे में पक्षियों को वह वातावरण नहीं मिलता, जिसमें रहने के लिए ईश्वर ने उन्हें बनाया है। पिंजरा उनकी स्वतंत्रता छीन लेता है।

5. पक्षी ऊँची उड़ान हेतु अपना घोंसला, टहनी का सहारा आदि सब कुछ न्योछावर करने को तैयार हैं। उनका मानना है कि ईश्वर ने उन्हें सुंदर पंख दिए हैं इसलिए उनकी उड़ान में कोई बाधा न डाले।

6. गुलामी का जीवन अच्छा नहीं होता। ऐसे समय में मन की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है। स्वतंत्र जीवन में कठिनाइयाँ भी क्यों न हों, वह बंधन के जीवन से अच्चा होता है। अतः पक्षी भी खुले रहकर सोने की कटोरी की मैदा की अपेक्षा नीम के कड़वे फल खाना अधिक पसंद करते हैं।

7. पिंजरे में बंद पक्षियों की आजादी छिन चुकी है। पिंजरे में वे अपनी इच्छानुसार घूम-फिर नहीं सकते हैं न अपने पंखों को खोल सकते हैं। वे नदी-झरनों का बहता जल पीने और जंगल के फल खाने को तरस गए हैं।

8. i. कविता का नाम-'हम पंछी उन्मुक्त गगन के'
   कवि का नाम-शिवमंगल सिंह 'सुमन'
   ii. इस काव्यांश में पक्षी अपनी यह इच्छा प्रकट करते हैं कि हमें खुले आसमान में उड़ान भरने दी जाए।
   iii. पक्षी पिंजरे में बंद होकर गा नहीं पाएँगे अर्थात् अपनी स्वाभाविक भावनाओं को अभिव्यक्त नहीं कर पाएँगे।
   iv. (ग)
   v. (क)
   vi. (क)

S.B.I.O.A Senior Secondary School Trichy-7

Class : VII I[st] Term Notes कविता - 1

पाठ - 1 हम पंछी उन्मुक्त गगन के

I प्रतिपाद्य :

प्रस्तुत कविता में कवि पक्षियों की आज़ादी का महत्व बताया है। इस कविता में कवि बताते हैं कि पंछी सोने के पिंजड़े में बंद रहना पसंद नहीं करते। खुले आसमान में उड़ना पसंद करते हैं। नदी का बहता पानी पीना पसंद करते हैं। वृक्ष के फल खाना ही उन्हें अच्छा लगता है। सोने की कटोरी में बढ़िया खाना खाने से भी स्वतंत्र रूप में घूम-फिरकर कड़वी निबौरी खाना पसंद है। अतः कवि इस कविता में आज़ादी पर ज़ोर लगाते हैं। कवि की भाषा सरल है।

निबौरी - neem seeds. कटोरी - bowl
पिंजड़े - cage सोना - gold
कड़वी - bitter घूम-फिरकर - to roam freely

प्रश्नोत्तर :

प्र.1 हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?

उ.1 हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद नहीं रहना चाहते क्योंकि उन्हें पिंजड़े में बंद रहना पसंद नहीं था।

Scanned by CamScanner

Q2 पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं?

Q2 पक्षी स्वतंत्र रहकर

1. खुले आसमान में उड़ना
2. बहता पानी पीना
3. वृक्षों पर लगे फल खाना
4. कड़वी निंबौरी मिलने पर खुशी से खाने के लिए तैयार है।

Scanned by CamScanner

प्र. लेखक को अपनी दादी माँ की याद के साथ-साथ बचपन की और किन-किन बातों की याद आ जाती है ?

उ. जब लेखक को मालूम हुआ कि दादी माँ की मृत्यु हो गई है तो उसको दादी माँ की सभी यादें सजीव हो उठी।

1) बचपन में गंधपूर्ण झागभरे जलाशयों में कूदना।
2) बीमार होने पर दादी का दिन-रात सेवा करना।
3) किशन भैया की शादी।
4) रामी चाची की घटना
5) पिताजी के मुश्किल में सोने का कंगन देना आदि याद आ जाती है।

प्र 2. दादी की मृत्यु के बाद लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब क्यों हो गई थी ?

उ 2. दादी की मृत्यु के बाद लेखक की आर्थिक स्थिति खराब हो गई थी क्योंकि पिताजी व भैया ने धन का सही उपयोग न किया। गलत मित्रों की संगति से सारा धन नष्ट कर डाला। इसके अलावा पिताजी ने दादा के श्राद्ध में दादी माँ के मना करने पर भी अपार संपत्ति उधार लेकर व्यय की।

प्र 3. दादी माँ के स्वभाव का कौन-सा पक्ष आपको सबसे अच्छा लगता है और क्यों ?

उ 3. दादी माँ का सेवा, संरक्षण, परोपकारी व सरल स्वभाव आदि का पक्ष हमें सबसे अच्छा लगता है क्योंकि इन्हीं के कारण ही वे दूसरों का मन जीतने में सदा सफल रहे।

दादी माँ पाठ-2

Scanned by CamScanner

CBSE Worksheet 01

दादी माँ

1. दादी माँ रामी की चाची पर क्यों बिगड़ रही थीं?
2. दादी माँ का उत्साह और आनंद कब देखते बनता था?
3. **दादी माँ** पाठ के आधार पर लेखक को दादी माँ की शरण में अभयदान किस प्रकार मिल जाता था?
4. **दादी माँ** पाठ के आधार पर लेखक की कमजोरी क्या है?
5. आपने दादी माँ कहानी में महीनों के नाम पढ़ें, जैसे - क्वार, आषाढ़, माघ। इन महीनों में मौसम कैसा रहता है, लिखिए।
6. **दादी माँ** पाठ के आधार पर लेखक के मित्रों का स्वभाव आपकी दृष्टि में कैसा था? स्पष्ट कीजिए।
7. विवाह की रात में अभिनय देखते समय लेखक के साथ किसने हाथापाई शुरू कर दी और क्यों? (दादी माँ)
8. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़े और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें-**

   किशन के विवाह के दिनों की बात है। विवाह के चार-पाँच रोज़ पहले से ही औरतें रात-रातभर गीत गाती हैं। विवाह की रात को अभिनय भी होता है। यह प्रायः एक ही कथा का हुआ करता है, उसमें विवाह से लेकर पुत्रोत्पत्ति तक के सभी दृश्य दिखाए जाते हैं-सभी पार्ट औरतें ही करती हैं। मैं बीमार होने के कारण बारात में न जा सका था।

   i. लेखक बारात में क्यों नहीं जा सका?
   ii. विवाह के चार-पाँच रोज़ पहले क्या किया जाता है?
   iii. इसमें क्या दृश्य दिखाए जाते हैं?
   iv. किसके विवाह के दिनों की बात है?
      (क) लेखक के
      (ख) किशन के
      (ग) राघव के
      (घ) समेरे भाई के
   v. विवाह से चार-पाँच रोज़ पहले औरतें क्या करती हैं?
      (क) रातभर गीत गाती हैं
      (ख) अभिनय करती हैं
      (ग) खाना पकाती हैं
      (घ) तैयारियाँ करती हैं
   vi. विवाह की रात को क्या होता है?
      (क) गायन
      (ख) अभिनय
      (ग) वादन
      (घ) खाना

Material downloaded from myCBSEguide.com.

CBSE Worksheet 01
दादी माँ

Solution

1. रामी की चाची ने दादी माँ से कर्ज़ में रुपए लिए थे। समय बीत चुका था और वह न मूल पैसे दे रही थी न सूद इसलिए दादी माँ उस पर बिगड़ रही थीं।

2. किशन भैया की शादी के अवसर पर दादी माँ का उत्साह और आनंद देखते बनता था।

3. लेखक जब भी दादी माँ की शरण में जाता था, तो वे लेखक को दूसरों की डाँट-फटकार और पिटाई से बचा लेती थीं। इस तरह उसे अभयदान मिल जाता था।

4. लेखक की कमजोरी यह है कि ज़रा सी कठिनाई पड़ने पर उसे घर और घरवालों की याद सताने लगती है।

5. क्वार - इस महीने में न तो अधिक गर्मी और न ही अधिक सर्दी होती है अर्थात् हल्की-हल्की ठंड रहती है। आमतौर पर मौसम साफ़ रहता है।
   आषाढ़ - वैसे यह मौसम वर्षा का होता है परन्तु इस महीने वर्षा न हो तो गर्मी बढ़ जाती है।
   माघ - इस महीने में अत्यधिक सर्दी होती है। भयंकर सर्दी से सभी का बुरा हाल होता है।

6. लेखक को जरा-सी बात पर परेशान होता देख उसके मित्र उसे खुश करने का प्रयास करते और आने वाली छुट्टियों की सूचना देते, पर पीठ पीछे प्रतिकूलता से घबराने वाला कहकर उसका मजाक उड़ाते थे। इस तरह का व्यवहार मेरी दृष्टि में उचित नहीं है।

7. किशन के विवाह की रात में जब स्त्रियाँ अभिनय कर रही थीं, तो उनकी हास्यपूर्ण बातें सुनकर लेखक को हँसी आ गई। वह सोने का बहाना करके चुपके से उनका अभिनय देख रहा था, पर हँसी ने काम खराब कर दिया। लेखक की यह शरारत देख देबू की माँ ने उससे हाथापाई शुरू कर दी।

8. i. लेखक बीमार था अतः वह बरात में नहीं जा सका था।
   ii. विवाह के चार-पाँच रोज़ पहले से ही औरतें रात-रातभर जागकर गीत गाती हैं। विवाह की रात को अभिनय भी किया जाता है।
   iii. उसमें विवाह से लेकर पुत्रोत्पत्ति तक के सभी दृश्य दिखा जाते हैं। इनमें सभी पार्ट औरतें करती हैं।
   iv. (ख)
   v. (क)
   vi. (ख)

Material downloaded from myCBSEguide.com.